* 0000008000001 *

Cambridge Assessment International Education

Cambridge IGCSE™

CANDIDATE NAME

CENTRE NUMBER

CANDIDATE NUMBER

6746136429

HINDI AS A SECOND LANGUAGE **0549/01**

Paper 1 Reading and Writing **October/November 2024**

2 hours

You must answer on the question paper.

No additional materials are needed.

INSTRUCTIONS

- Answer **all** questions.
- Use a black or dark blue pen.
- Write your name, centre number and candidate number in the boxes at the top of the page.
- Write your answer to each question in the space provided.
- Do **not** use an erasable pen or correction fluid.
- Do **not** write on any bar codes.
- Dictionaries are **not** allowed.

INFORMATION

- The total mark for this paper is 60.
- The number of marks for each question or part question is shown in brackets [ ].

This document has **16** pages. Any blank pages are indicated.

© UCLES 2024

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 1: प्रश्न 1–6

'खाली समय की उड़ान' आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अधिकांश लोग अपने खाली समय में घर पर रह कर टेलीविज़न देखने, एक नई भाषा सीखने, कुछ नये व्यंजन पकाने या कोई वाद्ययंत्र बजाना सीखने में समय व्यतीत करते हैं। पर 38 वर्षीय इंजीनियर, अशोक ने अपने परिवार के साथ एक किट से विमान बनाने की योजना बनाई।

चार सीटों वाले प्रोपेलर विमान के लिए एक किट ख़रीदने के बाद, अशोक ने लगभग दो वर्षों में निर्देश-पुस्तिका और सोशल मीडिया की सहायता से विमान बनाया। अशोक अपनी पत्नी और दो छोटी बेटियों, 8 वर्षीय तारा और 6 वर्षीय दिया के साथ हवाई यात्रा करने के लिए एक विमान ख़रीदना चाहता था। लेकिन बाज़ार में उसको कोई मन लायक विकल्प नहीं मिला। इसलिए एक प्रशिक्षित पायलट, अशोक को अंतर्जाल पर जब एक मन लायक विमान की किट दिखाई दी तो उसे ख़रीद कर अपने पिछवाड़े के बगीचे में रखकर विमान के अलग-अलग हिस्सों को जोड़ना शुरू किया। लगभग दो साल बाद विमान पूरा बन कर नियामक अनुमोदन के लिए तैयार है। अगर यह अनुमोदित हो गया तो वह शीघ्र ही उसे सपरिवार आसमान में ले जाने को लालायित है।

एक बार जब विमान ने आकार लेना शुरू कर दिया और उसको रखने के लिए उनका बगीचा छोटा पड़ने लगा, तो दम्पति ने विमान के कुछ हिस्सों को अपने घर के निचले हिस्से में रखा। विमान के कुछ हिस्सों को कम्बल में लपेट कर रखा क्योंकि वे बहुत धारदार थे। अपने ऑफिस का काम समाप्त करके अशोक संध्या का समय अपनी योजना पर लगाता था। पूरी परियोजना की लागत लगभग डेढ़ करोड़ रुपए थी जिसके बारे में अशोक का कहना था कि अगर वह बेहतरीन रंग और विमान के अंदर की सजावट में कुछ किफ़ायत करता तो ख़र्च कुछ कम हो सकता था। विमान रुपहले और लाल रंग का है और उसके अंदर आरामदेह कुर्सियाँ हैं। उसने विमान का नाम अपनी बेटियों के नाम पर रखा है।

अशोक और उसका परिवार अत्यंत बेसब्री से अपने बनाए विमान से उड़ान भरने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। तारा और दिया यह जान कर उत्साहित हैं कि अब उन्हें अपने दादा-दादी से मिलने जाने के लिए लंदन से मैनचेस्टर तक की यात्रा पूरी करने में चार घंटे कार में बैठने की जगह केवल 55 मिनट ही लगेंगे। गर्मी की छुट्टियों में पूरा परिवार आइल ऑफ व्हाइट जाने की योजना बना रहा है। फ़ुटबॉल प्रेमी अशोक, मैच देखने जाने के लिए मैच वाले दिन की सड़क यात्रा के यातायात से बचकर अपने बनाए पंखों से उड़ान भरने की कल्पना मात्र से रोमांचित है।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

1 खाली समय में अशोक ने क्या बनाया?

.... [1]

2 अशोक की योजना के पीछे क्या **दो** कारण थे?

....

.... [2]

3 अशोक को कैसे सफलता मिली? कोई **दो** कारण लिखें।

....

.... [2]

4 अशोक ने क्या किया जिससे विमान के पुर्ज़ों से चोट न लगे?

.... [1]

5 अशोक का परिवार क्यों उत्साहित है?

.... [1]

6 विमान से मैच देखने जाने का क्या लाभ होगा?

.... [1]

[पूर्णांक 8]

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 2: प्रश्न 7–15

'पर्यटन' के बारे में छपे इस लेख को ध्यान से पढ़ें। प्रश्न 7–15 के उत्तर देने के लिए उनके नीचे दिए गए अनुच्छेदों (A से D) में से सही अनुच्छेद चुन कर उसके सामने के कोष्ठक में सही का निशान लगाएँ। अनुच्छेदों को एक से अधिक बार चुना जा सकता है।

A भारतीय संस्कृति में पर्यटन की परम्परा अत्यंत प्राचीन है। जब हम अपने निवास स्थान से दूर किसी अन्य जगह जाते हैं तो उस यात्रा के दौरान स्थान विशेष की भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक सौंदर्य, व्यवसाय, लोगों के रहन-सहन एवं उनके वैचारिक स्तर से साक्षात्कार करते हैं। इसके साथ-साथ घर से बाहर निकलने पर हम नई स्थितियों का सामना करने के अनुभव और अपनी सूझबूझ से अनजान परिस्थितियों और असुविधाओं के समाधान का रास्ता निकालना सीखते हैं। यह अनुभवजनित ज्ञान हमारे जीवन-दर्शन को परिपक्व बनाता है तथा किसी भी विपरीत परिस्थिति में मनोबल बनाए रखने का आत्मविश्वास देता है। हेनरी मिलर ने कहा है, 'यात्रा का मतलब सिर्फ़ किसी जगह जाना भर नहीं होता, बल्कि चीज़ों को एक नये नज़रिये से देखना है।'

B यात्रा क्या है? जीवन भी तो एक यात्रा है और यात्रा भी तो जीवन का एक हिस्सा ही है। हमारा सम्पूर्ण सांस्कृतिक दर्शन इसी एक मूल बुनियाद पर केंद्रित है कि चलते जाओ, ठहरो नहीं क्योंकि जो थम गया वह नष्ट हो गया। कई बार एक व्यक्ति की यात्रा एक पूरी सभ्यता की यात्रा भी होती है। वैचारिक आदान-प्रदान और कुछ नया जानने-सीखने के अवसर भी होते हैं। यात्राएँ हमारा रूपांतर करती हैं, हमें नया बनाती हैं, न केवल बाहर से बल्कि भीतर से भी। यात्रा से समझ, धैर्य और मिलनसारिता की भावना विकसित होती है। संकट के समय दूसरे के दर्द में सहयोगी बन मिल-जुल कर काम करने की समझ से सौहार्द की भावना पुष्ट होती है। वैचारिक सामंजस्य तथा भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। यही कारण था कि युगद्रष्टाओं ने हमारी जीवन-शैली में पर्यटन के महत्व को स्थापित किया, भले ही चाहे वह धार्मिक यात्रा अथवा तीर्थाटन के रूप में रहा।

C भारत में पर्यटन की बात करें तो कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और असम से लेकर राजस्थान तक पर्यटन का बहुआयामी दृश्य परिलक्षित होता है। प्रत्येक प्रांत की अनूठी संस्कृति, प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, पौराणिक एवं दर्शनीय पुरास्थल, हस्तशिल्प, किले, महल, मेले, उत्सव और यहाँ तक कि नदियाँ, जलप्रपात, सागर तट, बाँध और न जाने कितने ऐसे आकर्षण हैं जिनसे आकर्षित होकर देश-विदेश के सैलानी खिंचे चले आते हैं। राजस्थान पर्यटकों के लिए अपने विभिन्न आकर्षणों के कारण पर्यटन का केंद्रबिन्दु रहा है। वह अपने भीतर समृद्ध भौगोलिक दृश्य, हस्त-शिल्प और शौर्य की गाथाएँ समेटे हुए है। यहाँ दुर्गम दुर्ग हैं, स्थापत्य की पहेलियों जैसी हवेलियाँ हैं, भव्य राजप्रासाद और समृद्ध संस्कृति की कथा कहते हुए दर्शनीय स्थान हैं। यह उन्नत हस्तकला, उल्लास और उमंग से भरपूर तीज-त्योहार और रंग-बिरंगे परिधान के कारण पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। भारत में अनेक ऐसे स्थल हैं जो न केवल पुरातात्विक दृष्टि से अपितु स्थापत्य एवं ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं।

D समृद्ध भवन निर्माण-परंपरा, सरस-संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध राजस्थान की राजधानी जयपुर की गुलाबी नगरी को यूनेस्को द्वारा जुलाई 2019 में विश्व विरासत शहर का दर्जा दिया गया। यह शहर तीन ओर से अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ है। जयपुर शहर की पहचान यहाँ के महलों और पुराने घरों में लगे गुलाबी धौलपुरी पत्थरों से होती है जो यहाँ के स्थापत्य की विशेषता है। शहर चारों ओर से दीवारों और परकोटों से घिरा हुआ है, जिसमें प्रवेश के लिए सात दरवाज़े हैं। बाद में एक और द्वार भी बना जो 'न्यू गेट' कहलाया। पुराने शहर के उत्तर-पश्चिमी ओर पहाड़ी पर नाहरगढ़ दुर्ग शहर के मुकुट के समान दिखता है। राजस्थानी व मुगल शैलियों के मिश्रण से निर्मित एक पूर्व शाही निवास, सिटी पैलेस, पुराने शहर के बीचोंबीच है। यह भूरे संगमरमर के स्तंभों पर टिके नक्काशीदार मेहराब, सोने व रंगीन पत्थरों की फूलों वाली आकृतियों से अलंकृत है। जिन लोगों की पीढ़ी-दर-पीढ़ी ने राजाओं की सेवा की है, वे यहाँ गाइड के रूप में कार्य करते है। महल में एक संग्रहालय और कलादीर्घा है जिसमें राजस्थानी पोशाकों व मुगलों तथा राजपूतों के हथियार, कालीनों और अरबी, फारसी, लेटिन व संस्कृत में दुर्लभ खगोल विज्ञान की रचनाओं का उत्कृष्ट संग्रह है।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

नीचे दिए गए वक्तव्यों (7–15) को पढ़िए तथा कोष्ठक में सही का निशान लगा कर बताइए कि कौन सा अनुच्छेद (A से D) किस वक्तव्य से सम्बंधित है।

उदाहरण:

राजस्थान की राजधानी जयपुर है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☑

7 विदेशी पर्यटकों को भारत की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विविधता आकर्षित करती है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

8 पर्यटन से प्राप्त अनुभव जीवन में समस्याओं का सामना करना सिखाते हैं।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

9 हमारा संपूर्ण जीवन भी एक निरंतर चलने वाली यात्रा है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

10 पर्यटन से मिले अनुभव व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से समृद्‌ध करते हैं।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

11 जयपुर में स्थापत्य कला का उत्कर्ष देखने को मिलता है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

12 भ्रमण करने से व्यक्ति की दृष्टि का विस्तार होता है।

A ☐ B ☐ C ☐ D ☐ [1]

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

13 राजस्थान में भारतीय संस्कृति की बहुमूल्य ऐतिहासिक धरोहर सुरक्षित है।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

14 राजस्थान में आज भी कर्मचारियों की पीढ़ियों से चली आई वफ़ादारी के उदाहरण देखने को मिलते हैं।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

15 पुराने समय से धार्मिक उद्देश्य से यात्रा करने की परम्परा चली आ रही है।

A ☐ **B** ☐ **C** ☐ **D** ☐ [1]

[पूर्णांक 9]

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

BLANK PAGE

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 3: प्रश्न 16–19

'एन वी डी ए' के बारे में निम्नलिखित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

कुछ दृष्टिबाधित व्यक्ति, जिनके जीवन में नॉन विज़ुअल डेस्कटॉप एक्सेस या एन वी डी ए (NVDA) रोशनी लेकर आया है, उनका कहना है:

'पहले मैं अपने स्कूल में एक लैपटॉप ले जाया करता था क्योंकि यह स्कूल का एकमात्र कंप्यूटर था जिस पर मेरे पास स्क्रीन रीडर की सुविधा थी। एक बार जब मैंने एन वी डी ए का उपयोग करना शुरू किया, तब मैं अपना लैपटॉप लेकर चलने की जगह एक फ्लैश ड्राइव ले जाने लगा। एन वी डी ए की बदौलत अब मेरे पास स्कूल के लगभग किसी भी कंप्यूटर तक पहुँच है। अब मैं अपने बाकी सहपाठियों के साथ और उनकी तरह किसी भी कंप्यूटर का उपयोग कर सकता हूँ।'

'काम की तलाश में एक समस्या हमेशा रुकावट डालती थी। कंपनियाँ हमें नौकरी पर नहीं रखती थीं क्योंकि वे स्क्रीन रीडर का ख़र्च नहीं वहन करना चाहती थीं। एन वी डी ए का उपयोग करने से कंपनी को स्क्रीन रीडर की लागत का वहन नहीं करना पड़ा और मेरे लिए श्रम बाज़ार में प्रवेश करना संभव हो गया।'

'एन वी डी ए की बदौलत अब दैनिक काम करने में परेशानी नहीं है। बिलों का भुगतान, बैंकिंग के प्रबंधन, ऑनलाइन ख़रीदारी आदि कर पाना मुझे अपने जीवन पर बेहतर नियंत्रण और आत्मविश्वास की भावना देता है।'

आइए हम मिलते हैं उन दो दृष्टिबाधित युवाओं से जिन्होंने दृष्टिबाधित लोगों की पहुँच में सुधार लाने के उद्देश्य से यह संभव बनाया। दो दृष्टिबाधित बालक, माइकल कुरेन और जेम्स तेह दृष्टिबाधितों के लिए आयोजित एक संगीत शिविर में मिले थे, जहाँ उन्होंने महसूस किया कि उनकी कंप्यूटर में गहरी रुचि है। कई वर्षों बाद उन्होंने दृष्टिबाधित लोगों के लिए कंप्यूटर की पहुँच में सुधार करने में मदद करने के लिए संयुक्त रूप से प्रयास करने का फैसला किया।

दृष्टिबाधित लोगों को कंप्यूटर का उपयोग करने के लिए एक स्क्रीन रीडर की आवश्यकता होती है जो स्क्रीन पर पाठ (टेक्स्ट) को कृत्रिम (सिंथेटिक) आवाज़ में पढ़ता है। लेकिन कई मामलों में स्क्रीन रीडिंग प्रोग्राम की कीमत कंप्यूटर से भी ज़्यादा होती है। इस कारण अतीत में इसने दुनिया भर के लाखों दृष्टिबाधित लोगों के लिए कंप्यूटरों को दुर्गम बना दिया। यह एक चिंताजनक और गंभीर समस्या है, क्योंकि यदि ऑनलाइन बैंकिंग, ख़रीदारी और समाचार जैसी रोजमर्रा की गतिविधियों का उल्लेख न भी करें, कंप्यूटर के बिना, शिक्षा और रोजगार तक पहुँच अत्यंत सीमित है।

अप्रैल 2006 में माइकल ने विंडोज़ पर चलने वाले कंप्यूटरों के उपयोग के लिए एन वी डी ए नामक एक निःशुल्क स्क्रीन रीडर विकसित करना शुरू किया। उन्होंने अपने साथ प्रोग्राम विकसित करने के लिए जेम्स को आमंत्रित किया, जिन्होंने हाल ही में प्रौद्योगिकी की डिग्री पूरी की थी।

इन दो पूरी तरह से दृष्टिबाधित लोगों ने मिलकर एन वी डी ए स्क्रीन रीडर के विकास में सहायता के लिए गैर-लाभकारी संगठन एन वी एक्सेस की स्थापना की। शीघ्र ही वे बड़ी संस्थाओं और व्यक्तिगत अनुदान से अपनी परियोजना पर पूरा समय काम कर सके।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

अब तक स्वयंसेवकों द्वारा एन वी डी ए को 55 से अधिक भाषाओं में सक्षम बना दिया गया है, और 175 से अधिक देशों में इसका उपयोग किया जा रहा है। इसने कई पुरस्कार भी जीते हैं।

एन वी डी ए एक मुफ़्त स्क्रीन रीडर है जो दृष्टिबाधित लोगों को कंप्यूटर का उपयोग करने में सक्षम बनाता है। यह मशीनी आवाज़ में स्क्रीन पर पाठ को पढ़ता है। आप जो पढ़ना / सुनना चाहते हैं अपने कीबोर्ड या माउस के सहारे उस पर कर्सर रख सकते हैं और कम्प्यूटर उन शब्दों को ध्वनि में परिवर्तित करके सुना देता है।

एन वी डी ए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर है, अर्थात यह कोड सबके लिए सुलभ और नि:शुल्क है। एन वी एक्सेस लिमिटेड का प्रबंधन एक निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है, और इसके कम से कम 33% निदेशक दृष्टिबाधित हैं। उसका उद्देश्य दृष्टिबाधित लोगों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से जुड़ी आर्थिक और सामाजिक बाधाओं को कम करना है। इस प्रकार कंपनी इस आदर्श के प्रति समर्पित है कि दृष्टिबाधित व्यक्ति को प्रौद्योगिकी का उपयोग करने का उतना ही न्याय सम्मत अधिकार है जितना दृष्टि-सक्षम को है और यह उनके लिए अतिरिक्त लागत के रूप में नहीं आना चाहिए। ऐसी दुनिया में जहाँ सूचना और प्रौद्योगिकी दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, यह आदर्श जीवन के सभी पहलुओं में, विशेष रूप से शिक्षा और रोजगार प्राप्त करने के क्षेत्रों में, अधिक से अधिक भागीदारी और स्वतंत्रता की सुविधा प्रदान करता है।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
https://xtremepape.rs/

अभ्यास 3: प्रश्न 16–19

'एन वी डी ए' आलेख के आधार पर नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक (16–19) के अंतर्गत संक्षिप्त नोट लिखें।

16 दृष्टि बाधित लोगों की समस्या

- ....
- ....
- .... [3]

17 दृष्टिबाधित युवक, माइकल कुरेन और जेम्स तेह की योजना

- ....
- .... [2]

18 एन वी डी ए का प्रसार

- ....
- .... [2]

19 एन वी डी ए की विशेषता

- ....
- .... [2]

[पूर्णांक 9]

अभ्यास 4 में आप आलेख और अपने नोट्स के आधार पर 'एन वी डी ए' शीर्षक लेख का सारांश लिखेंगे।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 4: प्रश्न 20

अभ्यास 3 के आलेख में एन वी डी ए की परिकल्पना द्वारा दृष्टिबाधित लोगों की आर्थिक और सामाजिक बाधाओं को दूर करने का वर्णन है। आलेख और अपने बनाए नोट्स के आधार पर आलेख का सारांश लिखें।

आपका सारांश अधिकतम **100 शब्दों** में होना चाहिए।

आप यथासंभव **अपने शब्दों** में लिखें।

आपको **अंतर्वस्तु के लिए** अधिकतम **4** अंक और **सटीक एवं संक्षिप्त भाषा-शैली के लिए** अधिकतम **6** अंक दिए जाएँगे।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

[10]

[पूर्णांक 10]

© UCLES 2024

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

अभ्यास 5: प्रश्न 21

नगर निगम को अपने शहर की सड़कों के गड्ढों को ठीक करने के लिए एक ईमेल लिखें। आपके ईमेल में निम्नलिखित बातें सम्मिलित होनी चाहिए:

1 सड़कों की स्थिति
2 परिवहन के लिए ख़तरे
3 सुधार के सुझाव।

आपका ईमेल लगभग 120 शब्दों में होना चाहिए।

आपको **3** अंक **अंतर्वस्तु के लिए** और **5** अंक **सटीक भाषा एवं शैली** के लिए दिए जाएँगे।

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/

[8]

[पूर्णांक 8]

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN
https://xtremepape.rs/

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

अभ्यास 6: प्रश्न 22

सहशिक्षा में पढ़ने वाले लड़के-लड़कियों को बौद्धिक और सामाजिक विकास के समान अवसर मिलते हैं।

आप कहाँ तक इस मत से सहमत हैं? अपने विचारों को समझाते हुए स्कूल पत्रिका के लिए अपना लेख लगभग **200 शब्दों** में लिखिए। आपका लेख विषय से सम्बंधित जानकारी पर केन्द्रित होना चाहिए।

अनावश्यक ध्यानभंग की संभावना

बौद्धिक और सामाजिक सामंजस्य की संभावना

ऊपर दी गई टिप्पणियाँ आपके लेखन के लिए दिशा प्रदान कर सकती हैं। इनके माध्यम से आप अपने विचारों को विस्तार दीजिए।

लिखित प्रस्तुति पर अंतर्वस्तु के लिए 8 अंक तक और सटीक भाषा के लिए भी 8 अंक तक दिए जाएँगे।

https://xtremepape.rs/

[16]

[पूर्णांक 16]

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of Cambridge Assessment. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is a department of the University of Cambridge.

DO NOT WRITE IN THIS MARGIN

https://xtremepape.rs/